जीएलए विश्वविद्यालय के 13वें दीक्षांत समारोह में मंचासीन मुख्य अतिथि प्रो. अनिल सहस्त्रबुद्धे, विशिष्ट अथिति दिनेश कुमार शुक्ला, कुलाधिपति श्री नारायण दास अग्रवाल, कुलपति प्रो. फाल्गुनी गुप्ता, प्रतिकुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता, कुलसचिव अशोक कुमार सिंह एवं गवर्निंग तथा कार्यपरिषद के सदस्य।

भारत 2047 तक होगा दुनिया का सबसे बड़ा ताकतवर देश : सहस्त्रबुद्धे

जीएलए विश्वविद्यालय के 13वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते मुख्य अतिथि राष्ट्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी मंच (एनईटीएफ) कार्य समिति राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (नैक) एवं राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनबीए) के अध्यक्ष प्रो.अनिल सहस्त्रबुद्धे।

जीएलए विश्वविद्यालय के 13वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी मंच (एनईटीएफ) कार्य समिति राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (नैक) एवं राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनबीए) के अध्यक्ष प्रो.अनिल सहस्त्रबुद्धे को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल।

हमारे श्रेष्ठ और नौजवान छात्रों की मेहनत के बल पर भारत देश बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर उभरेगा

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय के 13वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि राष्ट्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी मंच (एनईटीएफ), कार्यकारी समिति राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यावन परिषद (नैक) एवं राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनबीए) के अध्यक्ष प्रो. अनिल सहस्त्रबुद्धे ने कहा कि भारत देश की अर्थव्यवस्था दसवें स्थान से पांचवें स्थान तक पहुंच गई है। चौथे तथा तीसरे स्थान पर धीरे–धीरे जाने वाली है।

2047 तक भारत देश दुनियां की सबसे बड़ी ताकत और बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभर कर आयेगा। इसके लिए भी वही छात्र हैं जो आज दीक्षांत समारोह में डिग्री लेकर बाहर किसी न किसी सेक्टर में जिम्मेदारी निभाएंगे और 2047 तक भारत को उच्च स्तर पर पहुंचाने में अपनी अहम भूमिका निभाएंगे।

उन्होंने कहा कि आज से दस वर्ष पहले देश में सिर्फ चार सौ स्टार्टअप पंजीकृत थे, लेकिन आज एक लाख 50 हजार से अधिक स्टार्टअप पंजीकृत हो चुके हैं, जो कि पिछले 10 वर्षों से करीब 400 गुना से भी कहीं अधिक है। इन सभी स्टार्टअप की वेल्यूएशन करीब 1 बिलियन डॉलर से अधिक हैं। अभी जो स्टार्टअप आ रहे हैं यह स्टार्टअप सिर्फ आईआईटी और एनआईआईटी से नहीं है, बल्कि अन्य प्रदेश और शहर तथा गांव से भी आ रहे हैं। यानि हमारे गांव के युवा छात्र समृद्ध हो रहे है। इसी राह में आगे बढ़ते रहने के लिए विद्यार्थी जो लक्ष्य साधकर आगे बढ़ रहे हैं क्या उसे फॉलो कर रहे हैं। उसका अपने आपको अवलोकन करने की अतिआवश्यकता है। हमेशा सत्य बोलिए किसी के प्रभाव में आकर सत्य को न भूलें। क्योंकि एक झूठ को छिपाने के लिए कई झूठ बोलने पड़ते हैं, जो भी आपका प्रोफेशन हैं जैसे कोई एमबीए है, फार्मासिस्ट है, इंजीनियर हैं यहां से बाहर जाने के बाद कोई नौकरी करेगा तो कोई स्टार्टअप खोलेगा।

कुछ सरकारी सर्विस करेंगे कोई भावा परमाणु में भी वैज्ञानिक बतौर जाएगा। यानि जहां भी जाएं वहां अपना प्रोफेशनलिज्म न भूलें। सत्य के साथ प्रोफेशनलिज्म बहुत महत्वपूर्ण है। यही धर्म है।

जीएलए विश्वविद्यालय के 13वें दीक्षांत समारोह में छात्रा गौरी भारद्वाज को गोल्ड मेडल एवं प्रमाण–पत्र देते हुए मुख्य अतिथि राष्ट्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी मंच (एनईटीएफ) कार्य समिति राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (नैक) एवं राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनबीए) के अध्यक्ष प्रो.अनिल सहस्त्रबुद्धे एवं कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल।

जीएलए विश्वविद्यालय के 13वें दीक्षांत समारोह में दीक्षोपदेश देते कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल

स्वाध्याय के बारे में उन्होंने कहा कि अगर कोई यह सोचे की आज डिग्री मिल गयी और आज से पढ़ना लिखना सब बंद। अगर ऐसे कोई समझ रहा है तो वह बहुत बड़ी गलतफहमी है। क्योंकि एजुकेशन सेक्टर, टेक्नोलॉजी सेक्टर और दूसरे सेक्टरों में बहुत बदलाव हुए हैं और हर दो से तीन सालों में और अधिक बदलाव देखने को मिलेंगे। इसलिए डिग्री लेकर यहां से बाहर जाने के बाद आत्मसात नहीं करेंगे और पढ़ेंगे नहीं तो आगे बढ़ने के रास्ते भी बंद हो जायेंगे।

इसलिए हमेशां स्वयं करते रहना चाहिए। कहा कि आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस बहुत शक्तिशाली है, लेकिन इसके सही उपयोग को समझना बहुत जरूरी है। अगर यही नहीं समझ सके तो एआई का सही प्रयोग नही हो पायेगा और अगर कोई यह कहे कि मेरे पास अपना अनुभव है वह एआई का प्रयोग नहीं करेगा, तो यह भी गलत होगा। क्योंकि इतनी अधिक जानकारी जो लाखों, करोड़ों किताबों में छुपी हुई है।

उस जानकारी को छानकर उसका निचोड़ अगर निकालना है तो मशीन लर्निंग और एआई की सहायता से आपको तुरंत बहुत बड़ी उपलब्धि मिल सकती है, लेकिन उसका प्रयोग कैसे करना है यह भी सोचने की जरूरत है। उसकी मर्यादा क्या है वह भी समझने की जरूरत है और इसलिए हमारे देश में जल्द ही नए विषयों के इंजीनियर आ रहे हैं। यानि आप एआई और मशीन से क्या प्रश्न पूछेंगे उसी हिसाब से उत्तर मिलेगा। गलत प्रश्न पूछेंगे तो गलत उत्तर मिलेगा। इसलिए कैसे और कौन से प्रश्न कब पूछने हैं इसकी पढ़ाई लिखाई भी हमारे एआई के जो शिक्षक हैं वह छात्रों को जानकारी दें, जिससे तर्क संगत उपयोग हो सके।

कहा कि पिछले नौ वर्ष पहले की बात की जाये तो ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में 81वें स्थान पर भारत था, लेकिन पहली ही बार में पिछले वर्ष जब यह इंडेक्स जारी हुई तो भारत 39वें स्थान पर पहुंचा। इसी तरह आधा रास्ता तय हो चुका है और आधा करना बाकी है। भारत की 140 करोड़ से अधिक आबादी है। आगे भी लोकतंत्र के हिसाब से आगे बढ़ना है।

दीक्षांत समारोह कभी न भूलने वाला पल: दिनेश शुक्ला

जीएलए विश्वविद्यालय के 13वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते विशिष्ट अथिति दिनेश कुमार शुक्ला।

यूनिक समय, मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा के 13वें दीक्षांत समारोह पर विशिष्ट अतिथि परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड के अध्यक्ष दिनेश कुमार शुक्ला ने अपने चार दशकों के अनुभव को विद्यार्थियों के साथ साझा करते हुए उनसे अपने मूल स्वरूप में रहने की बात की।

उन्होंने कहा दीक्षा एक प्रकिया है, जिसमें गुरु अपने शिष्य को व्यवहारिक शिक्षा, ज्ञान, तकनीकी एवं मूल्यों की शिक्षा देता है। बेहतर इंसान बनाना शिक्षा का मूल उद्देश्य होना चाहिए। उन्होंने नवीन शिक्षा नीति पर बात करते हुए बेहतर नतीजों की उम्मीद जताई।

उन्होंने मानव संसाधन के विकास पर चर्चा की और कहा कि विकसित भारत के मिशन को उचित शिक्षा एवं मानव संसाधन द्वारा ही पूरा किया जा सकता है।

उन्होंने तकनीकी विकास पर भी विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि तकनीक कभी अच्छी–बुरी नहीं होती, बल्कि नियत के अनुसार उसका प्रयोग इसे अच्छा–बुरा बनाता है। उन्होंने कहा कि तकनीकी विकास द्वारा आ रहे बदलावों के साथ यह भी ध्यान रखना होगा कि इसके बदले में क्या–कुछ खोया अथवा छोड़ा जा रहा है। उन्होंने एआई के माध्यम से संभावित बदलावों पर चर्चा करते हुए कहा कि कृतिम बुद्धिमत्ता मानव की वास्तविक बुद्धिमत्ता पर हावी ना हो, इसका ध्यान रखने की ज़रूरत है। उन्होंने सभी को प्रासंगिक रहने की सलाह दी। कहा कि अपने स्वप्नों को पूरा करने के लिए क्या–"कब–कहां जैसे तत्वों पर ध्यान देने की बात कही।